Dainik Bhaskar (Indore), 2nd August 2024, Page-05

एक्सचेंज प्रोग्राम • यहां से भी बीटेक-एमटेक के 10 छात्र यूके जाएंगे

यूके से आईआईटी इंदौर आए सिविल इंजीनियरिंग के 8 स्टूडेंट, स्पेशल प्रोजेक्ट पर कर रहे रिसर्च

भास्कर संवाददाता | इंदौर

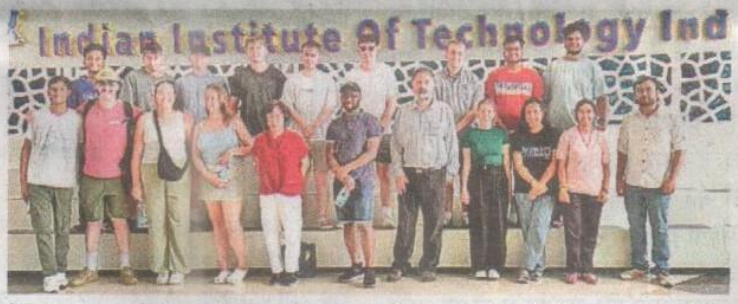

आईआईटी इंदौर में यूके की यूनिवर्सिटी ऑफ प्लिमथ के 8 इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स और उनके 2 टीचर्स सस्टेनेबल कांक्रीट पर शोध करने आए हैं। ये एक्सचेंज प्रोग्राम भारत और यूके की सरकार द्वारा करवाया जा रहा। आगामी महीनों में आईआईटी इंदौर के भी 10 बीटेक और एमटेक के छात्र यूके जाएंगे। दोनों देशों के 20 छात्रों का ये ग्रुप सिविल इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स का है। आईआईटी इंदौर की टीम देश की 11 टीम में से एक है जिसे सरकार ने एक्सचेंज प्रोग्राम के लिए चुना है। ये प्रोग्राम भारत सरकार के स्कीम फॉर प्रमोशन ऑफ एकेडमिक एंड रिसर्च कोलाबरेशन (स्पार्क) और यूके सरकार के यूके-इंडिया एजुकेशन एंड रिसर्च इनिशिएटिव (युकेरी) के तहत आयोजित किया जा रहा। आईआईटी इंदौर से इसका नेतृत्व प्रो. संदीप चौधरी और यूनिवर्सिटी ऑफ प्लिमथ की डॉ. बोक्सुन किम कर रही हैं। यूके का ग्रुप 13 जुलाई को आईआईटी इंदौर आया और 9 अगस्त तक यहीं रहेगा।

आईआईटी इंदौर के डायरेक्टर प्रो. सुहास जोशी ने कहा- ये एक्सचेंज प्रोग्राम सस्टेनेबल कांक्रीट निर्माण के तरीके ढूंढने के लिए है। इससे दोनों देशों के इंजीनियर सस्टेनेबल निर्माण के क्षेत्र में शोध कर पाएंगे। भारत भी निर्माण के क्षेत्र में रिसाइकल्ड एग्रीगेट आदि पर जोर दे रहा, लेकिन इसका उपयोग जमीनी स्तर पर नहीं हो पाता। इसका कारण है मजदूरों को इसके लिए सही ट्रेनिंग न मिल पाना। इसी को ध्यान में रख प्रो. चौधरी शोध कर रहे और यूके में प्रो. किम भी इसी दिशा में कम कर रही हैं। प्रो. चौधरी ने कहा इस प्रोग्राम को सिविल क्षेत्र के कुशल इंजीनियर तैयार करने के लिए डिजाइन किया है, जो निर्माण उद्योग में जमीनी स्तर पर स्थायी परिवर्तन ला सकते हैं।